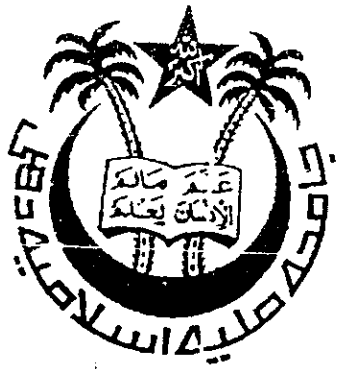

पाठ्यक्रम

एम० ए० (हिन्दी)- I

2010-2011

हिन्दी विभाग

जामिआ मिल्लिया इस्लामिया

नई दिल्ली-110025

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना 1920 में अलीगढ़ में हुई थी। यह समय भारत के इतिहास में स्वतंत्रता आंदोलन का था। गांधी जी ने अंग्रेजी सरकार द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा संस्थानों का यह कह कर विरोध किया था कि ये राष्ट्र हित के विरोध में काम करते हैं। ख़िलाफ़त तथा असहयोग आंदोलन इसी उद्देश्य के तहत आरंभ किए गए थे। जिन महान लोगों ने गांधी जी की इस आवाज़ पर इन आंदोलनों में भाग लिया उनमें शैखुलहिन्द मौलाना महमूद हसन, मौलाना मोहम्मद अली, हकीम अजमल ख़ां, डा. मुख़्तार अहमद अंसारी, अब्दुल मजीद ख़्वाजा तथा डा. ज़ाकिर हुसैन प्रमुख थे। इन लोगों ने न केवल जामिया मिल्लिया इस्लामिया की स्थापना की, बल्कि इस चमन को अपने ख़ून पसीने से सींच कर आबाद भी किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया 1925 में अलीगढ़ से दिल्ली स्थानांतरित हो गई । तब से लेकर आज तक जामिया दिन दूनी रात चौगुनी तरक़्क़ी कर रही है तथा समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रही है। अपने संस्थापकों के सपनों को साकार करते हुए जामिया अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास की दिशा में प्रयासरत है।

जामिया मिल्लिया के संस्थापकों का सदैव इस बात पर बल रहा है कि शिक्षा की पारंपरिक जड़ों को मज़बूत किया जाए । जामिया ने इस का हमेशा प्रयास किया है कि छात्रों में देश के इतिहास, उसकी संस्कृति तथा इस्लाम के इतिहास की बेहतर समझ पैदा हो। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर जामिया में इस्लाम की शिक्षा के साथ-साथ हिन्दू धर्मशास्त्र तथा भारतीय धर्म और संस्कृति जैसे विषयों की शिक्षा का प्रावधान किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव प्रयोग करते हुए जामिया के संस्थापकों ने यहाँ के शैक्षणिक कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियों में राष्ट्रीय तथा सार्वभौमिक आयाम जोड़े। इस बात का सदैव ध्यान रखा गया कि जामिया के छात्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा

विभागीय सदस्य

प्रो. महेन्द्रपाल शर्मा, एम.ए., पी-एच.डी. (विभागाध्यक्ष)
प्रो. असग़र वजाहत, एम.ए., पी-एच.डी.
प्रो. अब्दुल बिस्मिल्लाह, एम.ए., डी.फिल्.
डा. दुर्गा प्रसाद गुप्ता, एम.ए. एम.फिल्., पी-एच.डी.
डा. कृष्ण कुमार कौशिक, एम.ए., एम.फिल्., पी-एच.डी.
डा. अनिल कुमार,एम.ए., पी-एच.डी.
डा. इन्दु वीरेन्द्रा, एम.ए., एम.फिल्, पी-एच.डी.
डा. चन्द्रदेव यादव, एम.ए., पी-एच.डी.
डा. नीरज कुमार, एम.ए., एम.फिल्., पी-एच.डी.
श्री विवेक दुबे, एम.ए.
डा. कहकशां एहसान, एम.ए., पी-एच.डी.
श्री दिलीप कुमार शाक्य, एम.ए., एम.फिल्.

एम०ए० (हिन्दी) पूर्वार्द्ध
पाठ्यक्रम

		अंक
1.	काव्यशास्त्र एवं साहित्य-दृष्टि	100
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100
3.	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100
4.	नवजागरण एवं छायावाद	100
5.	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	100

(क) मलिक मुहम्मद जायसी

(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम
एम०ए० (हिन्दी) उत्तरार्द्ध

		अंक
6.	नाटक और निबंध	100
7.	छायावादोत्तर काव्य	100
8.	कथा साहित्य	100
9.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	100
10.	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	100
	(क) लोक साहित्य	
	(ख) उर्दू साहित्य	
	(ग) पत्रकारिता	
11.	मौखिकी	100

एम०ए० (हिन्दी) पूर्वार्द्ध
अनुक्रम

		पृष्ठ
1.	काव्यशास्त्र एवं साहित्य-दृष्टि	09-11
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	12-14
3.	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	15-18
4.	नवजागरण एवं छायावाद	19-22
5.	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	
	(क) मलिक मुहम्मद जायसी	26-27
	(ख) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	28-30
	(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी	31-32

एम०ए० (हिन्दी) उत्तरार्द्ध

अनुक्रम

		पृष्ठ
6.	नाटक और निबंध	35-37
7.	छायावादोत्तर काव्य	38-41
8.	कथा साहित्य	42-44
9.	प्रयोजनमूलक हिन्दी	45-47
10.	वैकल्पिक पाठ्यक्रम	
	(क) लोक साहित्य	48-50
	(ख) उर्दू साहित्य	54-57
	(ग) पत्रकारिता	60-62
11.	मौखिकी	63

एम०ए० (पूर्वार्द्ध)

पाठ्यक्रम-1

काव्यशास्त्र एवं साहित्य-दृष्टि

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : संस्कृत काव्यशास्त्र

- काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन
- काव्य की आत्मा
- रस-निष्पत्ति एवं साधारणीकरण
- अलंकार सिद्धांत
- ध्वनि सिद्धांत

यूनिट-2 : पाश्चात्य साहित्य-चिंतन की भाववादी धारणाएं

- प्लेटो का काव्य-सिद्धांत
- अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत
- लौंजाइनस का उदात्त
- क्रोचे का अभिव्यंजनावाद
- कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत

यूनिट-3 : पाश्चात्य साहित्य : वस्तुवादी धारणाएं तथा अन्य चिंतनधाराएं

- मार्क्सवादी चिंतन
- मनोविश्लेषणवाद
- अस्तित्ववाद
- नई समीक्षा
- संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद
- आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता

यूनिट-4 : हिन्दी साहित्यालोचन

- रीतिकालीन लक्षण ग्रंथ
- प्रारंभिक एवं शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना
- प्रगतिशील हिन्दी आलोचना
- समकालीन हिन्दी आलोचना

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4X20= 80 अंक
चार लघूत्तरो प्रश्न	4X05= 20 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. रस मीमांसा	रामचन्द्र शुक्ल
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना	रामविलास शर्मा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
4. साहित्य सिद्धांत	रेने वैलेक एवं ऑस्टिन वारेन

6.	साहित्यालोचन	शिवदान सिंह चौहान
7.	मार्क्सवादी साहित्य चिंतन	शिव कुमार मिश्र
8.	काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
9.	कविता के नए प्रतिमान	नामवर सिंह
10.	इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
11.	भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
12.	आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
13.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन	बच्चन सिंह
14.	रामचन्द्र शुक्ल	मलयज
15.	हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी	निर्मला जैन
16.	नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
17.	पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
18.	हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
19.	अस्तित्ववाद (कीर्केगार्द से कामू तक)	योगेन्द्र शाही
20.	उत्तर-आधुनिकता और उत्तर संरचनावाद	सुधीश पचौरी
21.	साहित्य चिंतन	महेन्द्रपाल शर्मा
22.	समकालीन आलोचक और आलोचना	रामबक्ष
23.	आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
24.	हिन्दी में आधुनिकतावाद	दुर्गा प्रसाद गुप्त
25.	सैद्धांतिक आलोचना	कृष्णदत्त पालीवाल

पाठ्यक्रम-2

हिन्दी साहित्य का इतिहास

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : साहित्येतिहास लेखन की परम्परा

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल-विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण
- हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ-साहित्य, रासो-काव्य, जैन-साहित्य, लौकिक साहित्य

यूनिट-2 : पूर्वमध्यकाल

- पूर्व मध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
- सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति-आंदोलन
- विभिन्न काव्यधाराएं तथा उनका वैशिष्ट्य

यूनिट-3 : उत्तरमध्यकाल

- उत्तरमध्यकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण-ग्रंथों की परंपरा
- रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त)

यूनिट-4 : आधुनिक काल

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; हिन्दी नवजागरण
- भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियां
- द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियां
- स्वच्छंदतावाद, छायावादी काव्य : छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियां

- छायावादोत्तर काव्य:प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- हिन्दी गद्य का विकास

अंक विभाजन

चार आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 20 = 80 अंक
चार लघूत्तरी प्रश्न	4 X 05 = 20 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	हिन्दुई साहित्य का इतिहास	गार्सां-द-तासी अनु॰ लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय
2.	शिवसिंह सरोज	शिव सिंह सेंगर
3.	हिन्दी साहित्य का प्रथम इतिहास	डॉ॰ ग्रियर्सन (अनु॰ किशोरी लाल गुप्त)
4.	मिश्रबंधु विनोद	मिश्रबंधु
5.	हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
6.	हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारीप्रसाद द्विवेदी
7.	हिन्दी-साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद द्विवेदी
8.	साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
9.	साहित्येतिहास लेखन : समस्या और समाधान	भोलाशंकर व्यास
10.	साहित्य की समस्याएं	शिवदान सिंह चौहान
11.	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं	रामविलास शर्मा
12.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपति चन्द्र गुप्त

13.आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह
14.हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
15. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
16.हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं० नगेन्द्र एवं सुरेश चन्द्र गुप्त
17.साहित्य और इतिहास-दृष्टि	मैनेजर पांडेय
18. हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचन्द्र तिवारी
19. गद्य का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
20. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास-दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा
21. संत साहित्य और समाज	रमेशचन्द्र मिश्र

पाठ्यक्रम-3

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

- आदिकालीन काव्य
- भक्ति आन्दोलन
- भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएँ
- दरबारी संस्कृति एवं रीतिकाव्य

यूनिट-2 : प्राचीन काव्य

अद्दहमाण : संदेश रासक(संपादक हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी)

छंद-20

छंद संख्या: प्रथम प्रक्रम-8-14

द्वितीय प्रक्रम - 76,80,81.101

तृतीय प्रक्रम - 167,168.175,176,178,183,191,222,223

विद्यापति : विद्यापति पदावली (सं॰ रामवृक्ष बेनीपुरी)

पद-25: पद संख्या : वन्दना-1, वय: संधि-4,नखशिख-11,18 सद्य:स्नाता-23, प्रेम-प्रसंग-27 राधा का प्रेम-38, 42, 43, मिलन-72, 76 सखी-संभाषण-97, कौतुक-104, 105, मान-137, वसंत-175, 176, 178, 182, विरह-188, 191, 196, 217, नचारी-243, 244

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : संत,सूफी एवं राम भक्ति काव्य

कबीर : कबीर ग्रंथावली (सं॰ डॉ॰ पारस नाथ तिवारी)

पद-15

सतगुरु महिमा-1, प्रेम-5, 8, 9, साधु महिमा-27, 29,

करुना बीनती-36, उपदेस चितावनी-84, काल-99,
भगति संजीवनि-106, 145, निरंजन राम-153, माया-162,
भेख आडंबर-175, भरम बिसन-179

साखियां-42

सतगुर महिमा कौ अंग–2, 14, 19,
प्रेम बिरह कौ अंग–1, 4, 5, 7, 9, 10, 16,
सुमिरन भजन महिमा कौ अंग– 7, 9, 12,
साध महिमा कौ अंग– 6, 23, 24,
पिउ पहिचानिबे कौ अंग– 1, 2, 3,
परचा कौ अंग– 1, 6, 9,
उपदेस चितावनी कौ अंग– 5, 7, 23,
संगति कौ अंग– 4, 5, 10, 15, 16
भेख आडंबर कौ अंग– 4, 5, 17,
विचार कौ अंग– 2, 5, 6,
मन कौ अंग– 1, 9, 13,
माया कौ अंग– 13, 15, 22,
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)
जायसी : नागमती वियोग खंड तथा मानसरोदक खंड (जायसी ग्रंथावली, सं॰ रामचन्द्र शुक्ल)
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

तुलसीदास : उत्तरकांड (रामचरित मानस)

50 दोहे–चौपाइयां छंद, संख्या– 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 71, 72, 73, 80, 82, 84, 94, 96, 98, 99, 100, 105, 111, 112, 113, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 122, 123, 125
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : कृष्णभक्ति एवं रीति काव्य

सूरदास : भ्रमरगीत सार (सं॰ रामचन्द्र शुक्ल)
पद-50: पद-संख्या 21 से 70 तक
बिहारी : बिहारी रत्नाकर (सं॰ जगन्नाथदास रत्नाकर)
दोहे (50) 1, 5, 13, 18, 20, 32, 41, 52, 60, 70, 94, 102, 104, 121, 140, 151, 159, 171, 178, 181, 191, 203, 207, 225, 235, 251, 259, 264, 280, 303, 327, 340, 347, 357, 363, 371, 381, 388, 393, 397, 411, 419, 425, 428, 434, 472, 489, 505, 526, 568
घनानंद : घनानन्द कवित्त (सं॰ आचार्य विश्वनाथप्रसाद मिश्र)
पद-25, छंद संख्या : 1, 6, 13, 15, 27, 34, 43, 60, 68, 70, 82, 84, 92, 97, 128, 135, 146, 159, 163, 169, 189, 195, 206, 267, 274
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 x 10 = 30 अंक
पांच लघूत्तरी प्रश्न	5 x 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. त्रिवेणी	रामचन्द्र शुक्ल
2. जायसी ग्रंथावली (भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
3. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
4. कबीर	हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. कबीर की विचारधारा	गोविन्द त्रिगुणायत
6. कबीर	सं० विजयेन्द्र स्नातक
7. परम्परा का मूल्यांकन	रामविलास शर्मा
8. कबीर : एक नयी दृष्टि	रघुवंश
9. विद्यापति	शिवप्रसाद सिंह
10. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
11. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
12. जायसी	विजयदेव नारायण साही
13. तुलसीदास और उनका युग	राजपति दीक्षित
14. तुलसी	सं० उदयभानु शर्मा
15. लोकवादी तुलसी	विश्वनाथ त्रिपाठी
16. दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
17. बिहारी : नया मूल्यांकन	वच्चन सिंह
18.घनानंद का काव्य	रामदेव शुक्ल
19. कबीर अकेला	रमेशचंद्र मिश्र
20. सनेह को मारग	इमरै बंघा
21. गुरू नानक देव: वाणी और विचार	रमेशचंद्र मिश्र
22. कबीर के आलोचक	धर्मवीर
23. संदेश रासक (भूमिका)	अद्दहमाण
	संपादक: हजारी प्रसाद द्विवेदी
	विश्वनाथ त्रिपाठी

नवजागरण एवं छायावाद

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : नवजागरण का स्वरूप

- नवजागरण की अवधारणा
- पाश्चात्य नवजागरण
- भारतीय नवजागरण
- हिन्दी नवजागरण और हिन्दी साहित्य
- छायावाद: काव्यात्मक संरचना

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : भारतेन्दु एवं द्विवेदी युगीन काव्य

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
नये जमाने की मुकरी
विजयिनी-विजय पताका या वैजयंती
भारत-वीरत्व
रोवहु सब मिलिकै आवहु भारत भाई (भारत दुर्दशा से)

मैथिलीशरण गुप्त

साकेत (नवम सर्ग)
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : छायावादी काव्य-I

जयशंकर 'प्रसाद'

चिन्ता सर्ग (कामायनी)
अशोक की चिन्ता
ले चल मुझे भुलावा देकर

आंसू से 10 छंद :

इस करुणा कलित हृदय में
ये सब स्फुलिंग है मेरी
जो घनीभूत पीड़ा थी
रो रो कर सिसक सिसक कर
शशि मुख पर घूंघट डाले
बांधा था बिधु को किसने
मुख कमल समीप सजे थे
प्रत्यावर्तन के पथ में
मानव जीवन वेदी पर
सबका निचोड़ लेकर तुम

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

राम की शक्ति-पूजा
वर दे वीणावादिनि वर दे
तोड़ती पत्थर
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक **प्रश्न**)

यूनिट-4 : छायावादी काव्य-II

सुमित्रानंदन पंत

मौन निमंत्रण
पर्वत प्रदेश में पावस
परिवर्तन
नौका विहार
ताज

महादेवी वर्मा

इस एक बूंद आंसू में
इन आंखों ने देखी न राह कहीं
मैं नीर भरी दुख की बदली

कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो
पंथ होने दो अपरिचित
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 X 10 = 30 अंक
पांच लघूत्तरी प्रश्न	5 X 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1.	भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंन्दी जवजागरण की समस्याएं	रामविलास शर्मा
2	महावीर प्रसाद द्विवेदी तथा हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
3.	आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपेयी
4.	छायावाद	नामवर सिंह
5.	हिन्दी स्वच्छंदतावादी काव्य	प्रेमशंकर
6.	कल्पना और छायावाद	केदारनाथ सिंह
7.	साकेत : एक अध्ययन	नगेन्द्र
8.	प्रसाद का काव्य	प्रेमशंकर
9.	कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
10.	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
11.	निराला की साहित्य साधना (तीनों भाग)	रामविलास शर्मा

12. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
13. निराला : एक आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
14. निराला और मुक्त छंद	शिवमंगल सिद्धांतकर
15. निराला और मुक्तिबोध	नन्दकिशोर नवल
16. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
17. सुमित्रानंदन पंत	नगेन्द्र
18. कवि सुमित्रानंदन पंत	नन्ददुलारे वाजपेयी
19. महादेवी	इन्द्रनाथ मदान
20. जयशंकर प्रसाद	नन्ददुलारे वाजपेयी
21. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी	नन्ददुलारे वाजपेयी
22. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां	नामवर सिंह
23. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति	शंभुनाथ
24. दूसरे नवजागरण की ओर	शंभुनाथ
25. 1857 और भारतीय नवजागरण	प्रदीप सक्सेना
26. रस्साकशी	वीरभारत तलवार
27. समय से संवाद	कृष्णदत्त पालीवाल

अनुमोदित ग्रंथ

1.	जायसी ग्रंथावली (भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
2.	हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
3.	मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
4.	जायसी	विजयदेव नारायण साही
5.	कहरानामा और मसलानामा	सं॰ अमर बहादुर सिंह अमरेश
6.	चित्रलेखा	सं॰ शिवसहाय पाठक
7.	सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
8.	हिंदी के सूफी प्रेमाख्यान	परशुराम चतुर्वेदी
9.	तसव्वुफ अथवा सूफी मत	चन्द्रबली पांडे
10.	मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पांडेय
11.	हिंदी और फारसी सूफीकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन	श्रीनिवास बत्रा

पाठ्यक्रम-5 (क)

मलिक मुहम्मद जायसी

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : सूफी दर्शन और जायसी

- जायसी और उनका युग
- सूफी साधना की दार्शनिक पृष्ठभूमि (अरबी-फारसी से हिन्दी तक)
- सूफी साधना के सोपान
- जायसी विषयक विमर्श

यूनिट-2 : पदमावत : व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न
मानसरोदक, राजा-सुआ संवाद, नख-शिख, प्रेम, जोगी, सात समुद्र, सिंहलद्वीप, नागमती वियोग, रत्नसेन बंधन, गोरा बादल युद्ध, पद्मावती नागमती सती, उपसंहार
(जायसी ग्रंथावली : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)

यूनिट-3 : आखिरी कलाम (व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)
आखिरी कलाम (समग्र)

यूनिट-4: अखरावट (व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)
अखरावट के आरंभिक 20 छंद

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 x 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 x 10 = 30 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 x 05 = 25 अंक

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनका युग

- हिन्दी नवजागरण
- भारतेन्दु मंडल
- भारतेन्दुयुगीन पत्रकारिता एवं साहित्य के अंत:सबंध

यूनिट-2 : कविताएं :

प्रेम सरोवर
प्रेम माधुरी
प्रबोधिनी
प्रात-समीरन
बकरी विलाप
हिंदी की उन्नति पर व्याख्यान
होली-12 छंद (भारत जननी)
विजयिनी विजय वैजयंती
नए जमाने की मुकरी
जातीय संगीत
('भारतेन्द् समग्र' से)

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : नाटक :

वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति
सत्य हरिश्चन्द्र
विषस्य विषमौषधम

भारतदुर्दशा
नील देवी
('भारतेन्दु समग्र' से)
(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : निबंध एवं अन्य गद्य रचनाएं:

स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन
ईश्वर बड़ा विलक्षण है
भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है?
जातीय संगीत
लेवी प्राण लेवी
ईशू खूष्ट वा ईश कृष्ण
एक कहानी कुछ आप बीती कुछ जग बीती
हरिद्वार (दो पत्र)
सरयूपार की यात्रा
ग्रीष्म ऋतु
('भारतेन्दु समग्र' से)

(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 X 10 = 30 अंक
तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 X 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. हरिश्चन्द्र	बाबू शिवनंदन सहाय
2. हिंदी नवजागरण और भारतेंदु हरिश्चन्द्र	रामविलास शर्मा
3. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परंपरा	रामविलास शर्मा
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
6. रस्साकशी	वीर भारत तलवार
7. दूसरे नवजागरण की ओर	शंभुनाथ सिंह
8. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति	शंभुनाथ सिंह
9. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
10. भारतेन्दु के नाटक	भानुदेव शुक्ल
11. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल
12. 'आलोचना' (सं. नामवर सिंह) का नवजागरण सम्बन्धी विशेषांक	

पाठ्यक्रम-5 (ग)

हजारीप्रसाद द्विवेदी

पूर्णांक : 100

यूनिट-1 : हजारीप्रसाद द्विवेदी की इतिहास-दृष्टि

- इतिहास-लेखन
- इतिहास-दृष्टि

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-2 : हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

- सूर संबंधी आलोचना
- कबीर संबंधी आलोचना

(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-3 : उपन्यास

बाणभट्ट की आत्मकथा
अनामदास का पोथा
(आलोचनात्मक प्रश्न)

यूनिट-4 : ललित निबंध

अशोक के फूल (निबंध संग्रह)
(व्यावहारिक समीक्षा एवं आलोचनात्मक प्रश्न)

अंक विभाजन

तीन आलोचनात्मक प्रश्न	3 X 15 = 45 अंक
तीन व्यावहारिक समीक्षाएं	3 X 10 = 30 अंक
पाँच लघूत्तरी प्रश्न	5 X 05 = 25 अंक

अनुमोदित ग्रंथ

1. दूसरी परंपरा की खोज	नामवर सिंह
2. शांतिनिकेतन से शिवालिक तक	शिवप्रसाद सिंह
	(संपा॰)
3. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास	इन्द्रनाथ मदान
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि	
परंपरा की आधुनिकता:	मैनेजर पाण्डेय
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी	सं. अशोक वाजपेयी
6. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	
की आलोचना-दृष्टि	चन्द्रदेव